केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हाल ही में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना **(Ken-Betwa River Link Project- KBLP)** को वन संबंधी अंतिम मंज़ूरी मिल गई है। यद्यपि परियोजना को वनों से संबंधित मंज़ूरी प्राप्त हो चुकी है लेकिन **वन्यजीवों से संबंधित मंज़ूरी भारत के** सर्वोच्च न्यायालय **में जाँच के अधीन** है।

- इस परियोजना के लिये वन संबंधी मंज़ूरी के लिये दो प्रमुख शर्तों को पूरा करना आवश्यक है: पहला इसकी **नहर को पुनः व्यवस्थित करना** और **दूसरा प्रस्तावित बिजलीघरों को वन भूमि से दूर स्थानांतरित करना** , क्योंकि इन दोनों ही मामलों के साथ संभावित पर्यावरणीय प्रभाव भी जुड़े हुए हैं।

परियोजना के विषय में:

- **परिचय:**
  - KBLP **नदियों को जोड़ने** की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (National Perspective Plan- NPP) के तहत पहली परियोजना है, इसका उद्देश्य जल की कमी को दूर करने और सिंचाई में वृद्धि करने के उद्देश्य से **एक नदी बेसिन से अधिशेष जल को दूसरे नदी बेसिन में अंतरित करना** है।
    - KBLP में **मध्य प्रदेश में केन नदी से उत्तर प्रदेश में बेतवा नदी तक** जल अंतरण शामिल है, ये दोनों ही यमुना की सहायक नदियाँ हैं।

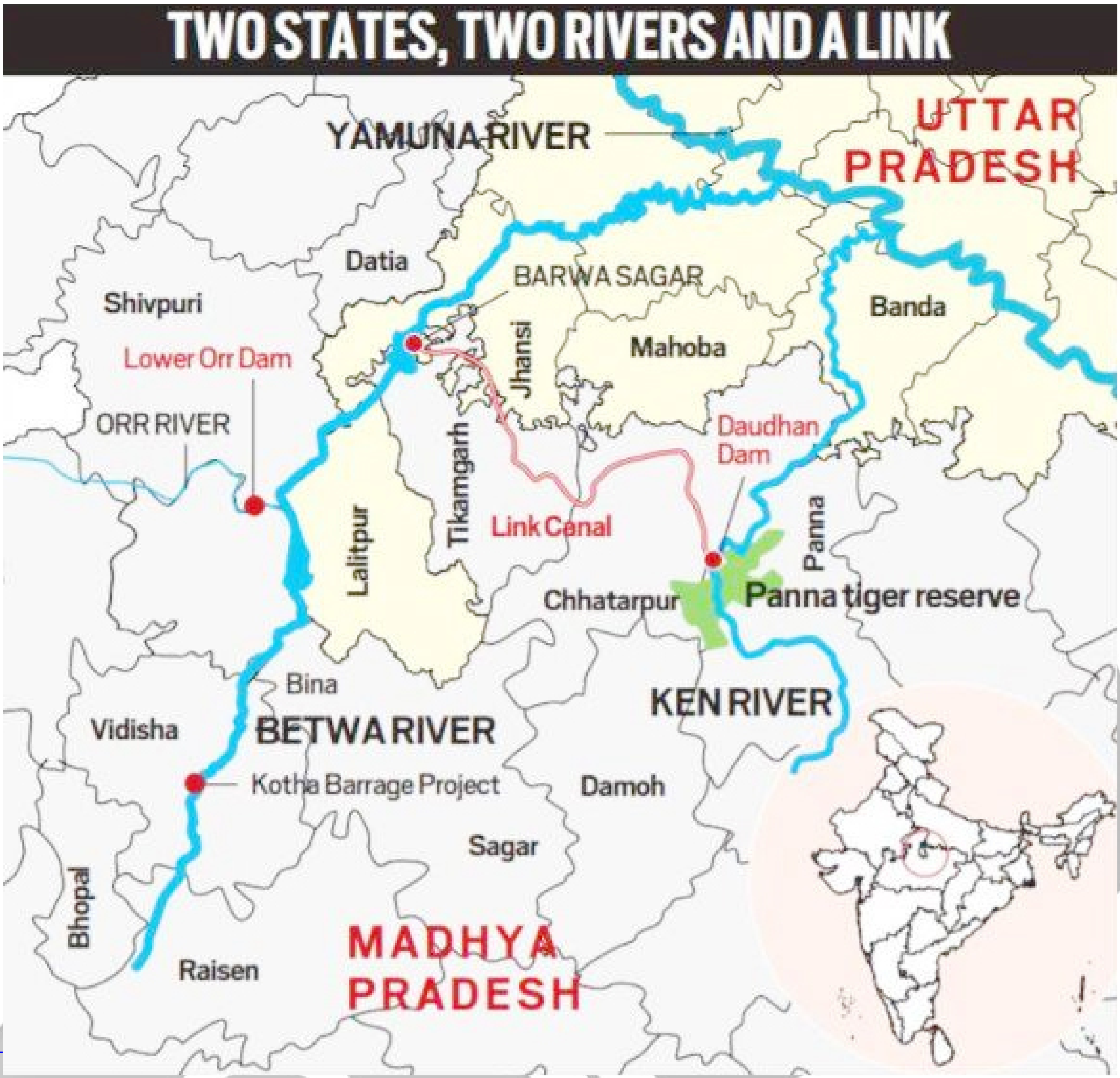

//

- **परियोजना के चरण:**
  - परियोजना के दो चरण हैं, जिनमें मुख्य रूप से चार घटक शामिल हैं:
    - **पहले चरण** में एक घटक शामिल होगा: **दौधन बाँध कॉम्प्लेक्स** और इसकी सहायक इकाइयाँ, जैसे; निम्न-स्तरीय सुरंग, उच्च-स्तरीय सुरंग, **केन-बेतवा लिंक नहर एवं बिजलीघर**।
    - **दूसरे चरण** में तीन घटक शामिल होंगे: **उर नदी** (बेतवा की एक सहायक नदी) पर लोअर उर बाँध, बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना और कोठा बैराज।
- **महत्त्व:**
  - बहुउद्देशीय बाँध के निर्माण से न केवल जल संरक्षण में तेज़ी आएगी बल्कि **103 मेगावाट जल विद्युत का उत्पादन** भी होगा और **लगभग 62 लाख लोगों को पेयजल की आपूर्ति** हो सकेगी।
  - लिंक नहर छतरपुर, टीकमगढ़ और झाँसी ज़िलों से होकर प्रवाहित होगी, इस परियोजना से **प्रतिवर्ष लगभग 6.3 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई** होने का अनुमान है।
- **चिंताएँ:**
  - पन्ना टाइगर रिज़र्व के **महत्त्वपूर्ण बाघ आवास स्थल** से गुज़रने जैसी वन्यजीव संरक्षण संबंधी चिंताओं के कारण इस परियोजना को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal- NGT) से अभी तक मंज़ूरी नहीं मिल सकी है।

केन और बेतवा नदियाँ:

- केन तथा बेतवा नदियों का उद्गम मध्य प्रदेश होता है और ये दोनों **यमुना की सहायक नदियाँ** हैं।
- केन नदी उत्तर प्रदेश के बांदा ज़िले के पास यमुना नदी से मिलती है और बेतवा उत्तर प्रदेश के हमीरपुर ज़िले में यमुना से मिलती है।
- राजघाट, पारीछा और माताटीला बाँध बेतवा नदी पर स्थित हैं।
- केन नदी पन्ना टाइगर रिज़र्व से होकर गुज़रती है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????:

प्रश्न. नदियों का आपस में जोड़ना से सूखा, बाढ़ और बाधति जल-परविहन जैसी बहु-आयामी अंतरसंबंधति समस्याओं का व्यवहार्य समाधान दे सकता है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ken-betwa-river-link-project-2